भारत वासियों की

शारीरिक निर्बलता

और उसकी रक्षा के उपाय

जिसको

कविविनोद, वैद्यभूषण, हिन्दी, उर्दू देशोपकारक तथा वैद्यामृत वैद्यक पत्रों के सम्पादक, विविध वैद्यक पुस्तकों के लेखक, तथा अमृतधारा के आविष्कर्त्ता

श्रीमान पं० ठाकुरदत्त शर्मा वैद्य,

लाहौर ने लिखा

और जो

निखिल भारत वर्षीय वैद्यक तथा युनानी सम्मेलन के सप्तम अधिवेशन दिल्ली में पढ़ा गया और इस विषय पर समस्त लेखों से सर्वोत्तम सिद्ध हुआ और

जिस पर

सम्मेलन के अवसर पर पंडित जी महाराज को श्रीमान महाराजा कासिम बाज़ार के कर कमलों द्वारा एक पदक अर्पण किया गया था

और जिसे

'देशोपकारक' पुस्तकालय के कार्यकर्त्ताओं ने सर्व साधारण के लाभ के लिये प्रकाशित किया।

टाइटल पेज अमृत प्रैस अमृतधारा लाहौर में छपा॥

कापी १०००]

[मूल्य ।।।)